



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 459]
No. 459]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 11, 1982/आश्विन 19, 1904
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 11, 1982/ASVINA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

भारतीय रिजर्व बैंक

ग्रामीण आयोजना तथा ऋण विभाग

अधिसूचना

बंबई, 10 अगस्त, 1982

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक सामान्य विनियमावली, 1982

का०आ० 723 (अ).—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 60 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग हुए केन्द्रीय सरकार के परामर्श से भारतीय रिजर्व बैंक इसके द्वारा, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के लिए निम्नलिखित विनियम निर्धारित करता है :

अध्याय 1

परिचयात्मक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन विनियमों को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 कहा जायेगा।

(2) ये विनियम दिनांक 12 जुलाई, 1982 से प्रभावी होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन विनियमों में, जब तक विषय अथवा संदर्भ के अनुसार अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “अधिनियम” का अर्थ राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) होगा।

(ख) “धारा” का अर्थ अधिनियम की धारा से होगा।

(ग) इन विनियमों में जिन अन्य अभिव्यक्तियों का प्रयोग किया गया है, लेकिन जिनकी परिभाषा नहीं दी गयी है उनका वही अर्थ समझा जायेगा जो उनके संबंध में अधिनियम में दिया गया है।

अध्याय 2

बोर्ड की बैठकें

3. बोर्ड की बैठक:—(i) साधारणतः प्रत्येक वर्ष की प्रत्येक तिमाही में बोर्ड की एक बैठक होगी।

(ii) बोर्ड की बैठकें अध्यक्ष द्वारा संयोजित की जायेंगी और उसकी अनुपस्थिति में उनका संयोजन प्रबंध निदेशक द्वारा किया जायेगा। इन बैठकों का आयोजन सामान्यतः बंबई में किया जायेगा किंतु बोर्ड के निर्देश पर भारत में किसी भी अन्य स्थान पर इसका आयोजन किया जा सकेगा।

(iii) कोई भी पांच निदेशक बैठक आयोजित करने के लिए विधेय अपने मांग पत्र में विशिष्ट रूप से निर्दिष्ट कारोबार पर विचार करने के प्रयोजन के लिए अध्यक्ष से बोर्ड की बैठक आयोजित करने का अनुरोध कर सकते हैं और अध्यक्ष ऐसी कोई प्रार्थना प्राप्त होने पर, पर्याप्त सूचना देते हुए बोर्ड की बैठक का आयोजन करेगा:

लेकिन बैठक का आयोजन इसके लिए अनुरोध प्राप्त होने के दिनांक से 21 दिन के अन्तर-अन्तर किया जायेगा।

(iv) केवल बोर्ड की पहली बैठक संबंधी सूचना के प्रस्ताव बोर्ड की प्रत्येक बैठक के आयोजन से पहले कम से कम पंद्रह दिन का स्पष्ट नोटिस दिया जाएगा और प्रत्येक निदेशक को उनके रजिस्टर्ड पते पर नोटिस भेजा जायेगा। अपात बैठक का आयोजन आवश्यक होने पर प्रत्येक निदेशक को, जो उस समय भारत में उपस्थित हो कम से कम 7 दिन पहले इसकी सूचना दी जायेगी ताकि वह बैठक में उपस्थित हो सके।

(v) बैठक के अध्यक्ष और उपस्थित निदेशकों के बहुमत की सहमति के बिना, बैठक आयोजन करने के प्रयोजन के प्रस्ताव किसी अन्य विषय/कारोबार पर विचार-विमर्श नहीं किया जायेगा, जब तक कि इसके लिए एक सप्ताह का स्पष्ट नोटिस लिखित में अध्यक्ष को नहीं दिया गया हो।

(vi) बोर्ड की बैठक में विचार-विमर्श तभी किया जा सकेगा जब कम से कम 6 निदेशक उपस्थित हों।

(vii) प्रत्येक बैठक के कार्य वृत्त पर अध्यक्ष के हस्ताक्षर होने के बाद उनकी एक प्रति निदेशकों की सूचना के लिए यथाशीघ्र भेजी जायेगी।

4. निदेशकों का शुल्क :—उन निदेशकों को जो प्रबंध निदेशक अथवा पूर्णकालिक निदेशक अथवा सरकार अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी नहीं हैं, राष्ट्रीय बैंक द्वारा निम्नप्रकार से शुल्क की प्रत्यागनी की जायेगी :

- | | |
|--|---|
| (क) बोर्ड की बैठक में उपस्थित होने के लिए | 200 रु० प्रति बैठक |
| (ख) राष्ट्रीय बैंक का कोई अन्य कार्य करने के लिए | कार्य की प्रकृति और मात्रा को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर बोर्ड द्वारा नियत राशि। |

5. निदेशकों को यात्रा और विराम भत्तों का भुगतान :—विनियम 4 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्कों की प्रत्यागनी के साथ-साथ प्रत्येक निदेशक को राष्ट्रीय बैंक के कार्य से यात्रा करने पर, यात्रा और विराम व्यय, यदि कोई हो, की प्रतिपूर्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद समय-समय पर निर्धारित ढंग पर की जायेगी।

6. बिना बैठक के वेध संकल्प :—कोई लिखित संकल्प जो भारत में समस्त निदेशकों, जिनमें से एक अध्यक्ष होगा के बीच परिचालित और भारत में उपस्थित निदेशकों के बहुमत द्वारा हस्ताक्षरित और अनुमोदित होने पर इसके अनुमोदन की तारीख से और संकल्प पर अंतिम हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर की तारीख से ठीक उसी प्रकार वेध और प्रभावशील माना जायेगा जैसे बोर्ड की नियमित बैठक में वह संकल्प पारित किया गया हो। लेकिन उपर्युक्तानुसार पारित संकल्प बोर्ड की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा।

अध्याय 3

सामान्य उपबन्ध

7. राष्ट्रीय बैंक पर बाधित अनुबंध को निष्पादित करने का तरीका

(1) राष्ट्रीय बैंक की ओर से अनुबंध निम्नप्रकार से किये जायेंगे।

(i) कोई भी अनुबंध यदि दो निजी व्यक्तियों के बीच किया जाता है तो उसे कानून के अनुसार लिखित रूप में होना चाहिए और उस पर दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिए, अतः कोई भी अनुबंध, जो राष्ट्रीय बैंक की ओर से किया जाये वह लिखित में हो और उसपर किसी ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर हों जो प्रत्यक्ष अथवा निहित प्राधिकार के अन्तर्गत कार्य कर रहा हो और इसी तरीके से इसमें कोई परिवर्तन अथवा उन्मोचन किया जायेगा।

(ii) कोई अनुबंध, यदि निजी व्यक्तियों के बीच यद्यपि केवल मौखिक रूप से ही किया गया हो और उसे लिखित रूप नहीं दिया गया हो तो भी कानूनी रूप से वैध होता है, अतः राष्ट्रीय बैंक की ओर से कोई व्यक्ति जो प्रत्यक्ष अथवा निहित प्राधिकार के अन्तर्गत कार्य कर रहा

हो, मौखिक रूप से अनुबंध कर सकता है, तथा इसी तरीके से उनमें कोई परिवर्तन कर सकता है अथवा उन्मोचन कर सकता है।

(2) इस विनियम के उपबंधों के अनुसार किये गये समस्त अनुबंध कानूनी रूप से प्रभावी होंगे और राष्ट्रीय बैंक तथा समस्त अन्य पार्टियों और उनके कानूनी प्रतिनिधियों के लिये बाध्यकर होंगे।

8. राष्ट्रीय बैंक के लेखे, रसीदें तथा प्रलेख किमके द्वारा हस्ताक्षरित किये जायेंगे :—अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, तथा बोर्ड द्वारा इसके लिये भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित प्राधिकृत राष्ट्रीय बैंक का कोई पूर्णकालिक निदेशक और ऐसे अधिकारी अथवा ऐसे अन्य व्यक्ति जिन्हें राष्ट्रीय बैंक के लिये और उनकी ओर से पट्टाविलेख, अंतरण, अभिहस्तांतरण, अंशबल संपरित में संबंधित कोई प्रभार और अन्य विलेख जो उस संपरित पर अधिकारों को प्रभावित करने हो, वचनपत्रों का पुष्ठांकन और अंतरण, स्टॉक रसीदें, स्टॉक ऋण पत्र, शेयर प्रतिभूतियाँ और वस्तुओं पर स्वत्वाधिकार के प्रलेख जो राष्ट्रीय बैंक के नाम में हों अथवा उसके द्वारा धारित हों, राष्ट्रीय बैंक के कालू तथा अधिकृत कारोबार से संबंधित लिखित और विनियम जिलों के आह्वरण, स्वीकृति और पुष्ठांकन के निष्पादन के लिये तथा ऐसे कारोबार से संबंधित अन्य समस्त लेखों, रसीदों और प्रलेखों पर, हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत किये जायेंगे।

9. वाचपत्र इत्यादि किसके द्वारा हस्ताक्षरित किये जायेंगे :—कानूनी कार्यवाहियों से संबंधित वाचपत्र, लिखित विवरण, वाचपत्र और अन्य प्रलेख राष्ट्रीय बैंक की ओर से किसी ऐसे अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित और मर्यापित किये जायेंगे, जिसे विनियम 8 के अंतर्गत राष्ट्रीय बैंक की ओर से प्रलेखों पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत किया जाये तथा ऐसा अधिकारी किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण अथवा किसी अन्य निकाय में कानूनी कार्यवाई के प्रयोजन के लिये राष्ट्रीय बैंक के मान्यताप्राप्त एजेंट के रूप में किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण अथवा अन्य निकाय में अथवा उसके समक्ष प्रस्तुत हो सकेगा।

10. राष्ट्रीय बैंक के अधिकारियों को बिना बोर्ड की मंजूरी के कोई अधिम नहीं दिया जायेगा :—राष्ट्रीय बैंक के अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक, अधिकारी अथवा किसी अन्य कर्मचारी को बोर्ड द्वारा अनुमोदित उन विनियमों अथवा बनायी गयी योजनाओं में निविष्ट प्राधिकार के अंतर्गत अधिम दिया जाये जिनके अनुसार अधिम दिया जाना है, और जहाँ संबंधित विनियम, नियमों अथवा योजनाओं, जो भी लागू हों, में प्राधिकार निविष्ट नहीं किया गया हो, वहाँ अधिम निम्नप्रकार से मंजूर किया जायेगा।

(क) अध्यक्ष को, बोर्ड द्वारा

(ख) प्रबंध निदेशक अथवा पूर्णकालिक निदेशक को, अध्यक्ष द्वारा

(ग) अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों को, प्रबंध निदेशक अथवा पूर्णकालिक निदेशक द्वारा तथा ऐसे सामान्य अथवा विशिष्ट निदेशों के अधीन जो अध्यक्ष अथवा प्रबंध निदेशक द्वारा जारी किये जायें, इसके लिये अध्यक्ष द्वारा निविष्ट किसी अन्य अधिकारी द्वारा।

11. राष्ट्रीय बैंक को ओर से किसके द्वारा शक्तियां प्रयोग की जायेंगी :—(1) राष्ट्रीय बैंक के द्वारा अथवा उसकी ओर से किये जाने वाले किसी व्यवस्था के संबंध में बनाये गये विनियमों तथा राष्ट्रीय बैंक का कारोबार चलाने के लिये सामान्य रूप से अथवा किसी विशेष मामले में अध्यक्ष द्वारा किये गये निदेशों के अनुसार, अधिविनियम के उपबंधों के अधीन, प्रबंध निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक ऐसी समस्त शक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे और कोई भी अथवा ऐसे समस्त कार्य कर सकेंगे जो राष्ट्रीय बैंक द्वारा किये जा सकते हैं।

(2) अन्य कोई अधिकारी, यदि इसके लिये प्राधिकृत किया गया हो अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त प्राधिकार की सीमा तक उस विभाग अथवा कार्यालय से संबंधित समस्त शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा जिसमें वह

नियोजित है, और ऐसे मामलों में निम्नलिखित शर्तों के अधीन ऐसे समस्त कार्य कर सकेगा जो राष्ट्रीय बैंक द्वारा किये जा सकते हो ;

(क) राष्ट्रीय बैंक की ओर से कोई व्यव करने अथवा मंजूर करने की शक्ति का प्रयोग बोर्ड द्वारा बनाये गये विनियमों के अधीन किया जायेगा ।

(ख) किसी अन्य शक्ति का प्रयोग अथवा अन्य कोई कार्य किसी उच्च अधिकारी अथवा इसके लिये प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा किये गये निर्देशों के अनुसार किया जायेगा ।

(3) प्रयोग की गयी कोई शक्ति, किये गये कार्य अथवा की गयी कोई कार्यवाही केवल हम आधार पर अथवा अथवा निष्पत्ती नहीं समझी जायेगी कि वह राष्ट्रीय बैंक द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया कार्य शक्ति का प्रयोग नहीं है अथवा ऐसी शक्ति के प्रयोग, ऐसा कार्य करते समय उपनिधम (1) अथवा उपनिधम (2) में संदर्भित किसी नियम अथवा निदेश का पालन नहीं किया गया है अथवा ऐसे किसी नियम अथवा निदेश का गलत रूप से पालन किया गया है ।

12. वाद जारी करना.—(i) राष्ट्रीय बैंक के वाद अथवा श्रृण पर अध्यक्ष अथवा प्रबंध निदेशक अथवा किसी पूर्णकालिक निदेशक के मुद्रित उत्कीर्ण अथवा लिथोग्राफ किये हुये अथवा राष्ट्रीय बैंक द्वारा निदेशित अन्य यांत्रिक प्रक्रिया से तैयार किये गये हस्ताक्षरों से जारी किये जायेंगे ।

(ii) हम प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ अथवा अन्य प्रकार से तैयार किये गये हस्ताक्षर ठीक उसी प्रकार से बंध माने जायेंगे जैसे स्वयं हस्ताक्षरकर्ता ने उन्हें अपनी हस्ताक्षर में किया हो ।

13. राष्ट्रीय बैंक की सामान्य मुहर :—राष्ट्रीय बैंक की सामान्य मुहर किसी लिखत पर कम से कम दो ऐसे निदेशकों की उपस्थिति में लगायी जायेगी, जो अपनी उपस्थिति दर्शाने के लिये अपने नाम के हस्ताक्षर लिखत पर करेंगे । इस प्रकार के हस्ताक्षर किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा नहीं किये जायेंगे जो संबंधित लिखत गवाह के रूप में हस्ताक्षर करता हो । जब तक उपर्युक्त प्रकार से हस्ताक्षर नहीं किये जायेंगे, संबंधित लिखत बंध नहीं होंगे ।

14. राष्ट्रीय बैंक को नोटिस देना :—राष्ट्रीय बैंक को कोई नोटिस, प्रबंध निदेशक, किसी पूर्णकालिक निदेशक, अथवा इसके लिये प्रबंध निदेशक द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को देकर, अथवा राष्ट्रीय बैंक के प्रधान कार्यालय को रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजकर दिया जा सकता है ।

[घार० पी० सी० डी० सं० 162/एन० बी० 2/82-83]

एन० बी० शिवमंगी, कार्यपालक निदेशक

MINISTRY OF FINANCE RESERVE BANK OF INDIA

Rural Planning and Credit Department

NOTIFICATION

Bombay, the 10th August, 1982

National Bank for Agriculture and Rural Development
General Regulations, 1982

S.O. 723(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 60 of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981, (61 of 1981), the Reserve Bank of India, in consultation with

the Central Government, hereby makes the following regulations for the National Bank for Agriculture and Rural Development, namely :

CHAPTER I

INTRODUCTORY

Short title and commencement.—1. (i) These regulations may be called the National Bank for Agriculture and Rural Development General Regulations, 1982.

(ii) They shall come into force on the 12th

2. Definitions.—In these regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context—

(a) 'Act' means the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981);

(b) 'section' means a section of the Act;

(c) other expressions used and not defined in these regulations but used in the Act have the meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

MEETINGS OF THE BOARD

3. Meetings of the Board.—(i) The Board shall ordinarily meet once a quarter in each year.

(ii) Meetings of the Board shall be convened by the Chairman, and, in his absence, by Managing Director and shall be ordinarily held at Bombay but if so directed by the Board, may be held at any other place in India.

(iii) Any five directors may, for the purpose of the consideration of the business to be specified in their requisition, require the Chairman to convene a meeting of the Board and the Chairman shall, on receipt of such requisition, convene a meeting of the Board giving sufficient notice :

Provided that the date of the meeting so convened shall not be later than 21 days from the date of the requisition.

(iv) Except in respect of the first meeting of the Board, ordinarily not less than one clear fortnight's notice shall be given of each meeting of the Board and such notice shall be sent to every director to his registered address. Should it be found necessary to convene an emergency meeting, a notice of not less than seven days shall be given to every director who is at that time in India, to enable him to attend.

(v) No business other than that for which the meeting was convened shall be discussed at a meeting of the Board, except with the consent of the Chairman of the meeting and a majority of the directors present, unless one clear week's notice has been given of the same in writing to the Chairman.

(vi) Six directors shall form a quorum for the transaction of the business at a meeting of the Board.

(vii) A copy of the proceedings of each meeting of the Board shall be circulated for the information of the directors as soon as possible after the minutes of that meeting are signed by the Chairman.

4. Fees for Directors.—The director not being a Managing Director or a whole-time director, or an officer of Government or of the Reserve Bank of India shall be paid fees by the National Bank as follows :

(a) For attending meetings of the Board.—Rs. 200 for each meeting.

(b) For attending to any other work for the National Bank.—Such sum as the Board may fix from time to time having regard to nature and amount of work involved.

5. Payment of travelling and Halting Allowances to Directors.—In addition to the fees to which a Director may be entitled under regulation 4, every such director travelling in connection with the work of the National

Bank shall be reimbursed his travelling and halting expenses if any, on such basis as may be fixed from time to time by the Central Government after consultation with the Reserve Bank.

6. Resolution without meeting valid.—A resolution in writing circulated to all the directors in India and approved and signed by a majority of such directors who are then in India, one of whom shall be the Chairman, shall be valid and effective and shall be deemed to be the resolution passed

Board on the date on which it is approved and the last signatory to the resolution :

provided that any resolution passed as aforesaid shall be placed before the next meeting of the Board.

CHAPTER III

GENERAL PROVISIONS

7. Manner and form in which contracts binding on the National Bank may be executed.—(1) Contracts on behalf of the National Bank may be made as follows :

(i) Any contract which, if made between private persons, would by law be required to be in writing and signed by the parties to be charged therewith, may be made on behalf of the National Bank in writing and signed by any person acting under its authority, express or implied, and may in the same manner be varied or discharged.

(ii) Any contract, which, if made between private persons, would by law be valid although made by parol only and not reduced in writing may be made by parol on behalf of the National Bank by any person acting under its authority, express or implied, and may in the same manner be varied or discharged.

(2) All contracts made according to the provisions of this regulation shall be effectual in law and shall bind the National Bank and all other parties thereto and their legal representatives.

8. Accounts, Receipts and Documents of the National Bank by whom to be signed.—The Chairman, the Managing Director, any whole time director and such officers of the National Bank or such other persons as the Board may authorise in this behalf by notification in the Gazette of India are hereby severally empowered for and on behalf of the National Bank to execute lease deeds, transfers, conveyances, charges and other deeds relating to or affecting rights to or in immovable property, to endorse and transfer promissory notes, stock-receipts, stocks, debentures, shares, securities and documents of title to goods, standing in the name of or held by the National Bank, and to draw, accept and endorse bills of exchange and other instruments in the current and authorised business of the National Bank and to sign all other accounts, receipts and documents connected with such business.

9. Plaints etc. by whom to be signed.—Plaints, written statements, affidavits and other documents connected with legal proceedings may be signed and verified on behalf of the National Bank by any officer empowered by or under regulation 8 to sign documents for and on behalf of the National Bank and such officer may appear in or before any court, tribunal or other body as the recognised agent of the National Bank for the purpose of the proceedings in that court, tribunal or other body.

10. No advance to be made to the officers of the National Bank without sanction of the Board.—An advance may be made to the Chairman, Managing Director, whole-time director, officer or other employee of the National Bank with the sanction of the authority specified in the relative regulations, rules, or schemes made or approved by the Board in terms of which the advance is to be made and where no authority is specified in the relative regulations, rules or schemes, as the case may be, the advance may be sanctioned :

- (a) to the Chairman, by the Board;
- (b) to the Managing Director or the whole-time director, by the Chairman;
- (c) to officers and other employees, by the Managing Director or a whole-time director, and subject to such general or special directions as may be issued by the Chairman or the Managing Director, by any other officer specified by the Chairman in this behalf.

11. Powers on behalf of the National Bank by whom to be exercised.—(1) Subject to the provisions of the Act, any regulations made by the Board in regard to expenditure to be incurred by or on behalf of the National Bank and any directions, which may be given by the Chairman either generally or in any particular case in regard to the conduct of the business of the National Bank, the Managing Director and whole-time directors are hereby severally empowered to exercise any or all the powers and do any or all acts and things which may be exercised or done by the National Bank.

(2) Any other officer may, if authorised and to the extent that he is so authorised by the Chairman in this behalf, exercise all the powers in relation to matters pertaining to the department or office in which he is employed, and in relation to such matters, do all acts and things which may be exercised or done by the National Bank, subject however to the conditions hereinafter specified, namely :

- (a) the power to sanction or incur any expenditure on behalf of the National Bank shall be subject to regulations made by the Board;
- (b) any other power exercised or action taken shall be exercised or taken subject to such directions, if any, as may be given by any higher officer or authority in this behalf.

(3) No power exercised, functions performed or act or thing done shall be deemed to be invalid or ineffective only on the ground that it is not a power exercised, functions performed, or act or thing done, by or on behalf of the National Bank, or that in the exercise of such power, performance of such function or the doing of any such act or thing, effect has not been given to any rule or direction referred to in sub-regulation (1) or in sub-regulation (2), or that any such rule or direction has been wrongly acted upon.

12. Issue of Bonds.—(i) The bonds or debentures of the National Bank shall be issued over the signature of the Chairman, or the Managing Director, or any whole-time director which may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the National Bank may direct.

(ii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be valid as if it had been inscribed in the proper hand-writing of the signatory himself.

13. Common seal of the National Bank.—The common seal of the National Bank shall be affixed to any instrument only in the presence of at least two directors who shall sign their names in the instrument in token of their presence, and such signing shall be independent of the signing of any person who may sign the instrument as a witness. Unless so signed as aforesaid, such instrument shall be of no validity.

14. Service of Notice to National Bank.—A notice may be served on the National Bank by delivering it to the Managing Director, any whole-time director, or an officer authorised by the Managing Director in this behalf at, or by sending it by registered post to, the Head Office of the National Bank.

[RPCD. No. 162/NB. 2/82-83]

H. B. SHIVAMAGGI, Executive Director